and safety problems which need to be studied which are complex even for the industrially most advanced countries.

दिल्ली पुलिस द्वारा भर्ती

3002. **श्री दयाराम शाक्य** : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) दिल्ली पुलिस में फरवरी, 1980 से आज तक कितने लोगों की भर्ती की;

(ख) भर्ती किये गये व्यक्तियों की राज्यवार संख्या कितनी है;

(ग) क्या एक राज्य विशेष के व्यक्तियों की भर्ती बड़ी संख्या में की गई है; और

(घ) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री योगेन्द्र मकवाना) : (क) फरवरी 1980 से 15 फरवरी, 1981 तक दिल्ली पुलिस द्वारा कांस्टेबलों के रूप में 1722 व्यक्तियों की भर्ती की गई है ।

(ख) राज्यवार अलग-अलग आंकड़े नीचे दिये गए हैं :--

दिल्ली	328
उत्तर प्रदेश	480
हरियाणा	536
पंजाब	324
बिहार	11
हिमाचल प्रदेश	5
राजस्थान	37
मध्य प्रदेश	1
जोड़	1722

(ग) उपर्युक्त भाग (ख) के उत्तर से यह स्पष्ट है कि किसी विशेष राज्य से बड़ी संख्या में भर्ती नहीं की गई है ।

(घ) प्रश्न नहीं उठता ।

नागा प्रतिनिधिमंडल का फिजो के साथ बातचीत करने के लिए लन्दन का दौरा

3003. **श्री निहाल सिंह :**
श्री चिंगवांग कोनयक :

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या नागा समस्या का राजनैतिक समाधान निकालने के लिये एक नागा प्रतिनिधिमंडल ने नागा नेता फिजो के साथ बातचीत करने के लिए लंदन का दौरा किया था;

(ख) क्या भारत सरकार ने इस नागा प्रतिनिधिमंडल को भेजा था और यदि हां, तो उक्त दौरे पर कितना व्यय हुआ; और

(ग) क्या नागा प्रतिनिधिमंडल वापस आ गया है और यदि हां, तो फिजो के साथ हुई बातचीत के क्या परिणाम निकले हैं ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री योगेन्द्र मकवाना). (क) से (ग). यह याद होगा कि 1976-77 के शुरू में भूतपूर्व भूमिगत नागा नेताओं ने जिन्होंने नवम्बर, 1975 में शिलांग समझौते पर हस्ताक्षर किये थे इच्छा प्रकट की थी कि उनके प्रतिनिधियों को श्री फिजो की स्थिति को वास्तविकताओं से अवगत कराने और उन्हें शिलांग समझौते को स्वीकार करने के लिए राजी करने के लिए लन्दन जाने की अनुमति दी जानी चाहिए । इसके अनुसरण में प्रतिनिधिमंडल 1977 में दो बार लन्दन गया था ।

3 सदस्यीय एक दूसरा प्रतिनिधिमंडल 10 जनवरी को लन्दन गया था और 12 फरवरी, 1981 को वापस आया भारत सरकार ने न तो इस प्रतिनिधिमंडल को प्रतिनियुक्त किया था और न ही उनके दौरे पर कोई व्यय किया था ।